चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.12.22	3	5-7

कृषि के इतिहास और भविष्य का अद्भुत समागम है संग्रहालय: आहुजा

कृषि मंत्रालय के सचिव ने एबिक व संग्रहालय के बारे में ली जानकारी

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव मनोज आहुजा ने कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अगुवाई में विश्वविद्यालय के संग्रहालय व एबिक सेंटर का दौरा किया। इस दौरान सचिव आहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय का यह संग्रहालय कृषि के इतिहास और भविष्य का अदभुत समागम है। उन्होंने कहा कि संग्रहालय में गौरवमयी संस्कृति व ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी भी मिलती है। इस संग्रहालय में आगंतुकों को एक ही छत के नीचे विश्वविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियों, कृषि व कृषक हितैषी कार्यों के साथ-साथ हरियाणा की गौरवमयी संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी मिल रही है। वर्तमान व भावी पीढ़ी भी इस संग्रहालय का भ्रमण करके कृषि व कृषि की विकास यात्रा के बारे में ज्ञान हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि संग्रहालय के प्रारम्भ में ही हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास यात्रा के सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, जनसांख्यिकी के आंकड़ों को दर्शाए जाने के साथ आगंतुकों, विशेषकर स्कूली बच्चों को कृषि के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विकास यात्रा को त्री-आयामी भिती-चित्रों के द्वारा दर्शाया गया है जिनकी विस्तृत व्याख्या के लिए टच-स्क्रीन कियोस्क लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों/संकायों की जानकारी देने के लिए त्री-आयामी (थ्री-डी) मॉडल लगाए गए हैं जो विश्वविद्यालय का अति सुन्दर चित्रण प्रस्तुत करते हैं। हरियाणवी संस्कृति को दर्शाते हुए एक ग्रामीण पुरातन संग्रहालय स्थापित किया गया है जिसमें कृषि में उपयोग किए जाने वाले पुरातन यंत्रों, ग्रामीण दिनचर्या की विभिन्न वस्तुओं जैसे रसोई का सामान, बर्तन, वस्त्र, चरखा, बैलगाड़ी आदि को ग्रामीण क्षेत्रों से एकत्रित करके खूबसूरत तरीके से प्रदर्शित किया गया है।

एबिक का भी किया दौरा

सचिव मनोज आहुजा ने एबिक में दौरा करने के बाद बताया कि एबिक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी मार्गदर्शन करता है जिससे किसान अपने व्यवसाय को अच्छे से स्थापित कर सकते हैं। एबिक किसान को खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाने, लाइसेंस लेने, उनके नवाचार को पेटेंट प्रदान करने व उत्पाद को मार्केट में बेचने व सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अशोक ढींगड़ा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	8.12.22	9	3-7

केंद्रीय सचिव ने एबिक व कृषि विज्ञान संग्राहलय की ली जानकारी

कृषि के इतिहास व भविष्य का समागम संग्राहलय

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव मनोज आहुजा ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में विश्वविद्यालय के संग्रहालय व एबिक सेंटर का दौरा किया। इस दौरान सचिव आहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय का यह संग्रहालय कृषि के इतिहास और भविष्य का अद्भुत समागम है। उन्होंने कहा संग्रहालय में गौरवमयी संस्कृति व ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी भी मिलती है। संग्रहालय में आगंतुकों को एक ही छत के नीचे विश्वविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियों, कृषि व कृषक हितैषी कार्यों के साथ-साथ हरियाणा की गौरवमयी संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी मिल रही है। वर्तमान व भावी पीढ़ी भी इस संग्रहालय का भ्रमण करके कृषि व कृषि की विकास यात्रा का ज्ञान हासिल कर सकते है। उन्होंने कहा कि हरियाणवी संस्कृति को दर्शाते हुए एक ग्रामीण पुरातन संग्रहालय स्थापित किया गया है। कृषि में उपयोग किए जाने वाले पुरातन यंत्रों, ग्रामीण दिनचर्या की विभिन्न वस्तुओं जैसे रसाई का सामान, बर्तन, वस्त्र, चरखा, बैलगाड़ी आदि को ग्रामीण क्षेत्रों से एकत्रित करके खूबसूरत तरीके से प्रदर्शित किया गया है

हिसार। एबिक व संग्राहलय का दौरा करते सचिव मनोज आहुजा व अन्य।

एबिक का भी किया दौरा

सचिव मनोज आहुजा ने एबिक में दौरा करने के बाद बताया कि एबिक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी मार्गदर्शन करता है जिससे किसान अपने व्यवसाय को अच्छे से स्थापित कर सकते है। एबिक किसान को खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके व्यापार को पेटेंट प्रदान करने व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	8.12.22	3	1-3

कृषि के इतिहास और भविष्य का अदभूत समागम है संग्राहलय : मनोज आहुजा

कृषि मंत्रालय के सचिव ने एबिक व कृषि विज्ञान संग्राहलय के बारे में ली जानकारी

एबिक व संग्रहालय का दौरा करते सचिव मनोज आहुजा व अन्य अधिकारीगण।

हिसार, 7 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव मनोज आहुजा ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में विश्वविद्यालय के संग्रहालय व एबिक सैंटर का दौरा किया। इस दौरान सचिव आहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय का यह संग्रहालय कृषि के इतिहास और भविष्य का अदभूत समागम है। उन्होंने कहा संग्रहालय में गौरवमयी संस्कृति व ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी भी मिलती है।

इस संग्रहालय में आगंतुकों को एक ही छत के नीचे विश्वविद्यालय की विशिष्ठ उपलब्धियों, कृषि व कृषक हितैषी कार्यों के साथ-साथ हरियाणा की गौरवमयी संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी मिल रही है। वर्तमान व भावी पीढ़ी भी इस संग्रहालय का भ्रमण करके कृषि व कृषि की विकास यात्रा के बारे में ज्ञान हासिल कर सकते है।

उन्होंने कहा कि संग्रहालय के प्रारम्भ में ही हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास यात्रा के सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, जनसांख्किीय आंकड़ों को दर्शाए जाने के साथ आगंतुकों, विशेषकर स्कूली बच्चों को कृषि के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विकास यात्रा को त्री-आयामी भित्ती-चित्रों द्वारा दर्शाया गया है, जिनकी विस्तृत व्याख्या के लिए टच-स्क्रीन कियोस्क लगाए गए हैं। सचिव आहुजा ने एबिक में दौरा करने के बाद बताया कि एबिक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी मार्गदर्शन करता है, जिससे किसाने अपने व्यवसाय को अच्छे से स्थापित कर सकते हैं।

इस अवसर पर ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह, मीडिया एडवाइज़र डॉ. संदीप आर्य व अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	8-12-22	4	7-8

'कृषि के इतिहास और भविष्य का अद्भुत समागम है संग्रहालय'

हिसार में बुधवार को एबिक सेंटर व संग्रहालय का दौरा करते सचिव मनोज आहुजा व अन्य अधिकारी। जिस

हिसार, 7 दिसंबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव मनोज आहुजा ने कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अगुवाई में विश्वविद्यालय के संग्रहालय व एबिक सेंटर का दौरा किया। इस दौरान सचिव आहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय का यह संग्रहालय कृषि के इतिहास और भविष्य का अद्भुत समागम है। उन्होंने कहा संग्रहालय में गौरवमयी संस्कृति व ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी भी मिलती है।

विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों, संकायों की जानकारी देने के लिए थ्री-डी मॉडल लगाए गए हैं जो विश्वविद्यालय का अति सुन्दर चित्रण प्रस्तुत करते हैं। हरियाणवी संस्कृति को दर्शाते हुए एक ग्रामीण पुरातन संग्रहालय स्थापित किया गया है, जिसमें कृषि में उपयोग किए जाने वाले पुरातन यंत्रों, ग्रामीण दिनचर्या की विभिन्न वस्तुओं जैसे रसाई का सामान, बर्तन, वस्त्र, चरखा, बैलगाड़ी आदि को ग्रामीण क्षेत्रों से एकत्रित करके खूबसूरत तरीके से प्रदर्शित किया गया है।

सचिव मनोज आहुजा ने एबिक में दौरा करने के बाद बताया कि एबिक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी मार्गदर्शन करता है, जिससे किसाने अपने व्यवसाय को अच्छे से स्थापित कर सकते हैं। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ बलवान सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ संदीप आर्य व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8.12.22	5	3-6

कृषि के इतिहास और भविष्य का अद्भुत समागम है संग्रहालय : मनोज आहुजा

कृषि मंत्रालय के सचिव ने एबिक व कृषि विज्ञान संग्राहलय के बारे में ली जानकारी

हिसार, 7 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव श्री मनोज आहुजा ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में विश्वविद्यालय के संग्रहालय व एबिक सैंटर का दौरा किया। इस दौरान सचिव आहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय का यह संग्रहालय कृषि के इतिहास और भविष्य का अदभूत समागम है। उन्होंने कहा संग्रहालय में गौरवमयी संस्कृति व ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी भी मिलती है। इस संग्रहालय में आगंतुकों को एक ही छत के नीचे विश्वविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियों, कृषि व कृषक हितैषी कार्यों के साथ-साथ हरियाणा की गौरवमयी संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी मिल रही है। वर्तमान व भावी पीढ़ी भी इस संग्रहालय का भ्रमण करके कृषि व कृषि की विकास यात्रा के बारे में ज्ञान हासिल कर सकते है। उन्होंने कहा कि संग्रहालय के प्रारम्भ में ही हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास यात्रा के सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, जनसांख्किीय आंकड़ों को दर्शाए जाने के साथ आगंतुकों, विशेषकर स्कूली बच्चों को कृषि के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विकास यात्रा को त्री-आयामी भित्ती-चित्रों द्वारा दर्शाया गया है जिनकी विस्तृत व्याख्या के लिए टच-स्क्रीन कियोस्क लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों/संकायों की जानकारी देने के लिए त्री-आयामी (थ्री-डी) मॉडल लगाए गए हैं जो विश्वविद्यालय का अति सुन्दर चित्रण प्रस्तुत करते हैं। हरियाणवी संस्कृति को दर्शाते हुए एक ग्रामीण पुरातन संग्रहालय स्थापित किया गया है जिसमें कृषि में उपयोग किए जाने वाले पुरातन यंत्रों, ग्रामीण दिनचर्या की विभिन्न वस्तुओं जैसे रसाई का सामान, बर्तन, वस्त्र, चरखा, बैलगाड़ी आदि को ग्रामीण क्षेत्रों से एकत्रित करके खूबसूरत तरीके से प्रदर्शित किया गया है

एबिक व संग्राहलय का दौरा करते हुए सचिव मनोज आहूजा व अन्य अधिकारीगण।

एबिक का भी किया दौरा : सचिव मनोज आहुजा ने एबिक में दौरा करने के बाद बताया कि एबिक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी मार्गदर्शन करता है जिससे किसाने अपने व्यवसाय को अच्छे से स्थापित कर सकते हैं। एबिक किसान को खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके नवाचार को पेटेंट प्रदान करने व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	07.12.2022	-----	-----

कृषि के इतिहास और भविष्य का अदभूत समागम है संग्राहलय व एबिक सैंटर : आहुजा

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव श्री मनोज आहुजा ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में विश्वविद्यालय के संग्रहालय व एबिक सैंटर का दौरा किया। इस दौरान सचिव श्री आहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय का यह संग्रहालय कृषि के इतिहास और भविष्य का अदभुत समागम है। उन्होंने कहा संग्रहालय में गौरवमयी संस्कृति व ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी भी मिलती है। इस संग्रहालय में आगंतुकों को एक ही छत के नीचे विश्वविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियों, कृषि व कृषक हितैषी कार्यों के साथ-साथ हरियाणा की गौरवमयी संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी मिल रही है। वर्तमान व भावी पीढ़ी भी इस संग्रहालय का भ्रमण करके कृषि व कृषि की विकास यात्रा के बारे में ज्ञान हासिल कर सकते है। उन्होंने कहा कि संग्रहालय के प्रारम्भ में ही हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास यात्रा के सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, जनसांख्यिकीय आंकड़ों को दर्शाए जाने के साथ आगंतुकों, विशेषकर स्कूली बच्चों को कृषि के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विकास यात्रा को त्री-आयामी भित्ती-चित्रों द्वारा दर्शाया गया है जिनकी विस्तृत व्याख्या के लिए टच-स्क्रीन कियोस्क लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों/संकायों की जानकारी देने के लिए त्री-आयामी (थ्री-डी)मॉडल लगाए गए हैं जो विश्वविद्यालय का अति सुन्दर चित्रण प्रस्तुत करते हैं। हरियाणवी संस्कृति को दर्शाते हुए एक ग्रामीण पुरातन संग्रहालय स्थापित किया गया है जिसमें कृषि में उपयोग किए जाने वाले पुरातन यंत्रों, ग्रामीण दिनचर्या की विभिन्न वस्तुओं जैसे रसोई का सामान, बर्तन, वस्त्र, चरखा, बैलगाड़ी आदि को ग्रामीण क्षेत्रों से एकत्रित करके खूबसूरत तरीके से प्रदर्शित किया गया है। सचिव श्री मनोज आहुजा ने एबिक में दौरा करने के बाद बताया कि एबिक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी मार्गदर्शन करता है जिससे किसाने अपने व्यवसाय को अच्छे से स्थापित कर सकते हैं। एबिक किसान को खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके नवाचार को पेटेंट प्रदान करने व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	07.12.2022	-----	-----

कृषि मंत्रालय के सचिव ने एबिक व कृषि विज्ञान संग्राहलय के बारे में ली जानकारी

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव मनोज आहुजा ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में विश्वविद्यालय के संग्रहालय व एबिक सैंटर का दौरा किया।

इस दौरान आहुजा ने बताया कि यह संग्रहालय कृषि के इतिहास और भविष्य का अदभूत समागम है। उन्होंने कहा संग्रहालय में गौरवमयी संस्कृति व ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी भी मिलती है। इस संग्रहालय में आगंतुकों को एक ही छत के नीचे विश्वविद्यालय की विशिष्ठ उपलब्धियों, कृषि व कृषक हितैषी कार्यों के साथ-साथ हरियाणा की गौरवमयी संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी मिल रही है।

एबिक व संग्राहलय का दौरा करते सचिव श्री मनोज आहुजा व अन्य अधिकारीगण।

आहुजा ने एबिक में दौरा करने के बाद बताया कि एबिक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी मार्गदर्शन करता है जिससे किसाने अपने व्यवसाय को अच्छे से स्थापित कर सकते हैं। एबिक किसान को खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके नवाचार को पेटेंट प्रदान करने व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7.12.22	4	1-5

रिसर्च • एचएयू के वैज्ञानिकों ने हरियाणा और राजस्थान के 200 हिरणों पर उनके खानपान और व्यवहार को लेकर की रिसर्च

पहली बार औषधीय पौधे आक का सेवन करते मिले काले हिरण, बढ़ाते हैं खुद की रोग प्रतिरोधक क्षमता

चिड़ियाघरों में रहने वाले हिरणों के चारे में आक मिलाने की सलाह दी ताकि पशुओं की इम्युनिटी बढ़ाई जा सके

महबूब अली | हिसार

जिस तरह से मनुष्य घरों में रहकर परिवार की रक्षा करते हैं। उसी तरह काले हिरण भी अपने इलाकों में रहते हैं। वे अपने इलाके की रक्षा करते हैं। खासकर प्रजनन के मौसम के दौरान। इस दौरान, व्यस्क नर हिरण नियमित रूप से विशेष स्थानों पर मल या मूत्र से निशान लगाकर एक क्षेत्र स्थापित करता है। नर इस समय के दौरान बेहद आक्रामक होते हैं और अन्य सभी नर हिरणों को अपने क्षेत्र से गले की विशेष घुराहट और सींगों की लड़ाई से भगाते हैं। यही नहीं काला हिरण औषधीय पौधे आक का भी सेवन कर खुद की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। आक के पौधे को कोई भी पशु नहीं खाता। एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा

तथ्य सामने आए हैं। एचएयू ने चिड़ियाघरों या फिर अन्य स्थानों पर मौजूद हिरणों को चारे में आक मिलाकर सेवन कराने की सलाह दी है, ताकि हिरणों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सके। एचएयू के वीसी प्रोफेसर बलदेव राज काम्बोज पर्यावरण और जैव विविधता को लेकर संवेदनशील हैं। उन्होंने विवि का कार्यभार संभालते ही विभिन्न प्रकार की फसलों और फलों की नई-नई किस्में खोजने के मुख्य काम के अलावा वैज्ञानिकों को निर्देश दिए थे कि वे देश और हरियाणा प्रदेश की जैव विविधता (बायोडायवर्सिटी) को संरक्षित करने की दिशा में भी शोध कार्य करें, जिसके परिणाम अब आने शुरू हो गए हैं। हरियाणा के राज्य पशु यानी काले हिरणों पर शोधन

हरियाणा और राजस्थान के हिरणों में मिली समानता

एचएयू के वैज्ञानिकों ने हरियाणा के हिसार के मंगाली सुरतिया, बडोपल और राजस्थान के चुरू जिले के ताल छापर में 200 हिरणों पर शोध कार्य करने पर पाया कि हिरण सुबह और शाम ज्यादा चारा खाते हैं, दोपहर में आराम करते हैं। हिरण भोजन की अधिकता वाले स्थानों पर 20 से 30 मादा हिरणियों को रोककर रखते हैं और इस झुण्ड की रक्षा भी जाती है। ब्रीडिंग सीजन के दौरान यह चलता रहता है। रिसर्च के दौरान बडोपल एवं मंगाली सुरतिया और तालछापर सैंक्चुअरी में काले हिरण की प्रजातियों के बीच समानता पाई गई। वैज्ञानिकों ने आनुवंशिक सम्बन्ध के लिए डीएनए बार-कोडिंग के माध्यम से विभिन्न आबादी के कुल 20 नमूनों की जांच की गई और माइटोकॉन्ड्रियल साइटोक्रोम सी ऑक्सीडेज यूनिट 1 जीन के आंशिक प्रवर्धन का उपयोग करके इंट्रा और इंटर प्रजाति आनुवंशिक विविधता का खुलासा किया। बेहतर परिणाम के लिए मल और ऊतकों के नमूनों को जांचा गया। नमूनों से डीएनए की अच्छी गुणवत्ता निकाली गई और 50 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर प्रवर्धित किया गया। हरियाणा और राजस्थान के काले हिरणों के नमूनों के परिणामों की आपस में तुलना एवं वंशावली वृक्ष की रचना के लिए, राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र, अमेरिका के डेटाबेस का प्रयोग एवं मिलान करने पर पाया गया कि हरियाणा और राजस्थान के हिरणों के नमूनों में क्रमशः 99.52% और 99.35% समान पहचान का औसत पाया गया। यानी दोनों प्रदेशों की काले हिरणों की प्रजातियां समान है।

हिरणों के व्यवहार का अध्ययन

वीसी के निर्देश पर एचएयू के प्राणी विज्ञान विभाग के शोधार्थी विक्रम सिंह डेलू ने वैज्ञानिक डॉ. धर्मबीर मलिक के निर्देशन में पहली बार काले हिरण की लुप्त प्राय प्रजाति (ब्लैकबक एंटीलोप सर्विकाप्रा एल.) की चयनित आबादी के बीच व्यवहारिक पैटर्न, प्राकृतिक आवास में खाने की कमी के दौरान हिरणों का व्यवहार और हरियाणा और राजस्थान के विभिन्न काले हिरणों की आबादी के बीच आनुवंशिक संबंधों का अध्ययन किया। इसमें चौंकाने वाले तथ्य पहली बार सामने आए। डॉ. धर्मबीर मलिक और विक्रम डेलू द्वारा संयुक्त रूप से लिखा गया शोध पत्र प्रसिद्ध शोध पत्रिका 'इंडियन फॉरेस्टर' के अक्टूबर, 2022 के वॉल्यूम 148(10) में प्रकाशित हुआ है। शोध में पता चला कि ब्लैकबक्स (काले हिरण) आक (कैलोट्रोपिस प्रोसेरा) के पत्तों को भोजन की कमी के दौरान खाते हैं। हिरणों द्वारा आक के पत्तों को खाने का रिकॉर्ड मिला है। हरियाणा का ये राजकीय पशु भोजन की कमी की स्थिति में कैलोट्रोपिस

ये बोले वैज्ञानिक: आक खासकर सर्दी के मौसम में हिरणों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है क्योंकि आक औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इसलिए सर्दी में हिसार के डियर पार्क,

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.12.22	4	1-4

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक की प्रदेश के किसानों को सलाह

दिसंबर में मूली, शलगम, गाजर और गेहूं की उन्नत किस्मों की बिजाई कर लें अच्छा उत्पादन

भास्कर न्यूज | हिसार/गंगौर

दिसंबर माह में गेहूं और मटर की उन्नत किस्मों की बुवाई कर किसान अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार (एचएयू) के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज का कहना है कि दिसंबर माह में गेहूं, मूली, शलगम व गाजर की उन्नत किस्मों की बुवाई की जा सकती है। इसके अलावा गन्ना, बरसीम, पालक की खेती की देखभाल भी बहुत जरूरी होती है। थोड़ी सी सावधानी बरतकर किसान अधिक आमदनी कमा सकता है।

पालक की फसल में नियमित सिंचाई की आवश्यकता होगी और खड़ी फसल में दो बार नाइट्रोजन खाद देनी चाहिए। पहली बार बिजाई के 4 सप्ताह बाद व फिर इसके 4 सप्ताह बाद दोबारा डालें। वहीं, किसानों को खाद देने के बाद सिंचाई करनी चाहिए।

जानिए... दिसंबर माह में किस फसल के लिए क्या करें...

गेहूं: दिसंबर में गेहूं की पछेती बिजाई कर सकते है। इसके लिए डब्ल्यूएच 1124, राज 3765, डब्ल्यूएच 1021, व डीबीडब्ल्यू 90, एचडी 3059, एचडी-2851, एचडी-3117, 3167, 3018, 2864 ही बोएं। प्रति एकड़ 60 किलो बीज डालें।

बरसीम व ल्यूसर्न : बरसीम व ल्यूसर्न की फसल को हरे चारे के लिए कटाई करने के बाद पानी लगाएं। सर्दियों में 20-25 दिन के अंतर पर फसल को पानी देते रहें। अधिक सर्दी पड़ने पर यूरिया डालने से बढ़वार ठीक मिल जाएगी।

गन्ना : गन्ने की मध्य-समय में पकने वाली किस्मों की कटाई करके गुड़ बनाएं। देर से पकने वाली किस्मों को पाले से बचाने के लिए फसल में समय-समय पर पानी लगाते रहें। लाल सड़न रोग से प्रभावित खेतों से गन्ने की कटाई कर लें।

मूली, शलगम व गाजर : जड़ वाली फसलों की समय पर बिजाई करें। खुली हुई जड़ों पर मिट्टी चढ़ाएं। फसल पर यदि सूण्डी का आक्रमण हो तो 250-400 मि.ली. मैलाथियान को 250-400 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें।

मटर : मटर बिजाई के 4-6 सप्ताह बाद यूरिया खाद देकर सिंचाई करें। पछेती फसल में निराई करें, खरपतवार निकालें। फसल की हानिकारक कीटों से रक्षा करें। इसके लिए प्रति एकड़ 60 मि.ली. साइपरमेथ्रिन को 200-250 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।